RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 125
दि. 04.09.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

'जीएसटी रिफॉर्म का ट्रंप के टैरिफ से कोई लेना-देना नहीं...', वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया साफ

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया कि हालिया जीएसटी सुधारों का टैरिफ विवाद से कोई संबंध नहीं है. उन्होंने कहा, 'टैरिफ टर्मोइल वह मुद्दा नहीं है जिसने जीएसटी सुधार को प्रभावित किया. हम इस पर डेढ़ साल से काम कर रहे हैं.'

वित्त मंत्री ने कहा कि लंबे समय मंत्रियों का एक समूह बीमा वगैरह के दरों पर काम कर रहा था. इनमें से किसी का भी टैरिफ से कोई लेना-देना नहीं है.

जीएसटी राजस्व में कथित नुकसान के सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा, 'अलग-अलग आंकड़े उछाले जा रहे हैं- इतना नुकसान, उतना नुकसान. मैं इस बहस में शामिल नहीं होऊंगी कि किसी ने इतना कहा, किसी ने उतना कहा. हमारे पास अपना डेटा है.'

जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में कई फैसले

56वीं जीएसटी काउंसिल मीटिंग में Next-Gen GST रिफॉर्म्स को लेकर कई अहम फैसले लिए गए हैं, जिनमें दरों में कटौती, प्रोसेस सुधार और उच्च श्रेणी के उत्पादों को 40% स्लैब में रखने का निर्णय शामिल है.

रोजमर्रा की जरूरी चीजें होंगी सस्ती

बता दें कि केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले ॠळ रिफॉर्म का ऐलान किया है, जिसके तहत कई रोजमर्रा की जरूरी चीजें सस्ती हो गई हैं. अब हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, टॉयलेट सोप, टूथ ब्रश और शेविंग क्रीम पर जीएसटी 18% से घटकर 5% हो गया है. इसी तरह बटर, घी, चीज, डेयरी स्प्रेड, पैक्ड नमकीन, भुजिया, बर्तन, बच्चों के फीडिंग बोतल और नैपकिन, क्लिनिकल डायपर और सिलाई मशीन पर भी टैक्स 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है.

दो टैक्स स्लैब खत्म करने की मंजूरी

वित्त मंत्री ने कहा कि ॠळ काउंसिल ने जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने की मंजूरी दे दी है. काउंसिल ने 12% और 28% के टैक्स स्लैब को खत्म करने की मंजूरी दे दी है.

केंद्र सरकार ने जीएसटी रेट में बदलाव के तहत कुछ चुनिंदा आइटम्स पर 40% टैक्स लागू करने का फैसला किया है. इसमें सुपर लग्जरी गुड्स, पान मसाला, सिगरेट, गुटखा, चबाने वाला तंबाकू, जर्दा, एडेड शुगर वाले काबोर्नेटेड ड्रिंक्स और पर्सनल यूज वाले एयरक्राफ्ट शामिल हैं.

अयोध्याः रामनगरी पहुंचे सीएम योगी, किए रामलला के दर्शन; हनुमानगढ़ी के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पहले संकट मोचन हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती की और सीएम ने दर्शन-पूजन के उपरांत निकलते समय आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया। वहीं मंदिर परिसर की परिक्रमा कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया और राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये।

मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरूआत संकट मोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की इसके साथ ही उन्होंने राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी भी ली। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया।

राज सदन में मुख्यमंत्री ने बिमलेंद्र मोहन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ उनके पुत्र और प्रख्यात साहित्यकार और कवि यतींद्र मोहन मिश्र से मुलाकात कर उनको दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधाया। साथ ही बिमलेंद्र मोहन के अनुज और साकेत महाविद्यालय की प्रबंध समिति के संरक्षक शैलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र समेत परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मुख्यमंत्री योगी के दौरे को देखते हुए अयोध्या एयरपोर्ट से लेकर अयोध्या धाम तक सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट रहीं। श्रद्धांजलि सभा के बाद मुख्यमंत्री योगी अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से स्टेट प्लेन से गोरखपुर रवाना हो गए। इस मौके पर उनके साथ प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त, आईजी प्रवीण कुमार, कमिश्नर राजेश कुमार, डीएम निखिल टीकाराम, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय समेत शासन, जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

'बेचारे भटक गए थे, उन्हें घर भेज दिया', असम के सीएम हिमंता ने तंज कसते हुए किसे कहा 'हैप्पीजर्नी'

(जीएनएस)।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर 24 बांग्लादेशियों को बॉर्डर से वापस भेजने की जानकारी दी। उन्होंने एक फोटो शेयर करते हुए लिखा कि ये लोग रास्ता भटककर भारत की तरफ आ गए थे, लेकिन एक जिम्मेदार पड़ोसी देश होने के नाते भारत ने उन्हें सुरक्षित रूप से वापस भेज दिया।

सीएम हिमंता ने तंज भरे लहजे में कहा कि अक्सर कुछ लोग भूल जाते हैं कि उनका असली घर कहाँ है और भटककर इस तरफ आ जाते हैं, लेकिन भारत एक उदार राष्ट्र होने के नाते उन्हें "पुश बैक" कर देता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि, 'अक्सर कुछ लोग भूल जाते हैं कि उनका असली घर कहां है और भारत की ओर भटक आते हैं। लेकिन भारत एक जिम्मेदार राष्ट्र होने के नाते उन्हें वापस उनके देश भेज देता है।'

सीएम सरमा के इस बयान के साथ ही असम सरकार ने साफ कर दिया है कि अवैध बांग्लादेशियों पर कार्रवाई लगातार जारी है और भविष्य में भी यह अभियान और सख्ती से जारी रहेगा। सीमा पर तैनात सुरक्षाबल हर संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। हाल ही में पकड़े गए 24 बांग्लादेशियों को 'पुश बैक' किया गया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों ने आधार कार्ड बनवा लिए हैं- हिमंता

पड़ोसी देश बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति और आर्थिक संकट गहराने के बाद से भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ की घटनाएं तेज हो गई हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि कुछ बांग्लादेशी अवैध घुसपैठियों ने भारत में आधार कार्ड बनवा लिए हैं।

भारतीय थलसेना की 12 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

गांधीनगर, 03 सितंबर : भारतीय थलसेना की 12 कोर, जिसे कोणार्क कोर के नाम से भी जाना जाता है, के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल श्री ए.वी.एस. राठी ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की।

उल्लेखनीय है कि उन्होंने 17 जून, 2025 को 12 कोर के जीओसी का पदभार संभाला है।

गुजरात सरकार नई दिल्ली में आयोजित करेगी उच्च-स्तरीय परिचर्चा बैठक, पेश होंगी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज की झलकियाँ

• । शीर्ष उद्योगपतियों, राजनयिकों और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से करेंगे संवाद, गुजरात के क्षेत्रीय विकास के नए अध्याय का करेंगे शुभारंभ

गांधीनगर, 03 सितंबर : गुजरात सरकार आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेस (VGRCs) के परिप्रेक्ष्य में 4 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में एक परिचर्चा बैठक आयोजित करने जा रही है। ये रीजनल कॉन्फ्रेंसेस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों को एक मंच पर लाकर गुजरात की नई पहलों व क्षेत्रीय क्षमताओं को प्रदर्शित करेंगी, जिनका उद्देश्य संतुलित और समग्र क्षेत्रीय विकास को गति देना है।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (VGGS) की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए, गुजरात सरकार उत्तर गुजरात, कच्छ एवं सौराष्ट्र, दक्षिण गुजरात और मध्य गुजरात इन चार क्षेत्रों में रीजनल कॉन्फ्रेंसेस आयोजित कर रही है। इन कॉन्फ्रेंसेस का मुख्य फोकस प्रत्येक क्षेत्र की विशेष व अनूठी क्षमताओं को उजागर करना, सेक्टर-विशिष्ट अवसरों की पहचान करना और जमीनी स्तर पर निवेश को प्रोत्साहित करना है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल नई दिल्ली में होने वाली इस परिचर्चा बैठक का नेतृत्व करेंगे। यह बैठक दो विशेष सत्रों, एक औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों के साथ और दूसरी विदेशी मिशन प्रमुखों और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होगी।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के विशेष संबोधन के अलावा, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ पहला सत्र जो दोपहर में होगा, इसमें गुजरात सरकार के उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप, द्वारा श्ॠळ पर विस्तृत प्रेजेंटेशन और उद्योग जगत के अग्रणियों द्वारा उनके अनुभवों को साझा किया जाएगा। भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया, तथा गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी भी इस सत्र को संबोधित करेंगे।

वहीं शाम को होने वाला दूसरा सत्र, विदेशी मिशन प्रमुखों और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को समर्पित होगा। इस सत्र में भी माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का विशेष संबोधन होगा। साथ ही, इस सत्र में गुजरात सरकार की उद्योग एवं खनन विभाग की प्रधान सचिव सुश्री ममता वर्मा द्वारा VGRC पर प्रेजेंटेशन भी दिया जाएगा, जिसके बाद विदेश मंत्रालय के सचिव (ER), श्री सुधाकर दलेला, और गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी इस सत्र को संबोधित करेंगे।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेस (VGRCs) सेक्टर-केन्द्रित चर्चाओं, बी2बी/बी2जी बैठकों, वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम्स, रिवर्स बायर-सेलर मीट, ट्रेड शो/एक्जीबिशन, नेटवर्किंग तथा एमएसएमई और शिल्पकारों को प्रोत्साहित व उन्हें पहचान दिलाने के लिए मंच का कार्य करेगी। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेस का मूल उद्देश्य क्षेत्रीय आकांक्षाओं को वैश्विक महत्वाकांक्षाओं से जोड़ना है, जिससे भारत के विकास इंजन के रूप में गुजरात की भूमिका और अधिक सशक्त एवं प्रभावशाली बन सके।

संजय लीला भंसाली पर एफआईआर दर्ज, फिल्म मेकर पर लगाए गए ऐसे गंभीर आरोप

मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली इस समय मुसीबत में फंस गए हैं। उनकी फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बीकानेर में संजय लीला भंसाली समेत दो अन्य व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर (FIR) दर्ज की गई है। आरोप लगाने वाले प्रतीक राज माथुर का दावा है कि उन्हें फिल्म के लिए लाइन प्रोड्यूसर के रूप में हायर किया गया था, लेकिन बाद में प्रोजेक्ट से बाहर कर दिया गया, वह भी बिना भुगतान के। आरोप है कि उन्होंने फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग के लिए प्रशासनिक मंजूरी, सुरक्षा इंतजाम, होटल बुकिंग और अन्य स्थानीय व्यवस्थाएं संभाली थीं।

राजस्थान पुलिस की नई कहानीः जब पति-पत्नी एक साथ बने आईपीएस, प्रशासनिक फेरबदल ने खींचा सबका ध्यान

(जीएनएस)।

राजस्थान में मंगलवार का दिन पुलिस और प्रशासनिक सेवा के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। कई बार तबादले और प्रमोशन की खबरें आती रहती हैं, लेकिन इस बार की लिस्ट में एक ऐसा नाम जुड़ा, जिसने इतिहास रच दिया।

दरअसल, राजस्थान में पहली बार ऐसा हुआ है जब पति-पत्नी दोनों एक साथ क्ढर बने हैं। यह उपलब्धि हासिल की है पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ और कमल शेखावत ने। वढरउ की 21 अगस्त को हुई बैठक में इनके नामों पर मुहर लगी और मंगलवार को केंद्र ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिया।

आज तक कई अधिकारी परिवारों में अलग-अलग मुकाम तक पहुंचे, लेकिन पति-पत्नी का एक साथ क्ढर बनना राजस्थान पुलिस के लिए एक अनोखा पल है। पुष्पेंद्र सिंह इस समय एसीबी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी कमल शेखावत पुलिस मुख्यालय में कार्यरत हैं। अब दोनों का सफर एक नए मुकाम पर साथ-साथ आगे बढ़ेगा।

इस सूची में इनके अलावा पीयूष दीक्षित, विशनाराम और अवनीश शर्मा भी प्क्ढर से क्ढर कैडर में प्रमोट किए गए हैं। यह प्रमोशन न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि प्रदेश पुलिस के लिए भी गौरव का क्षण है।

इधर, राज्य सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भी कई फैसले लिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मिले फीडबैक के आधार पर बालोतरा के एडीएम गुंजन सोनी, झुंझुनूं जिला परिषद के सीईओ रणजीत सिंह और परबतसर के एसडीओ रामकुमार टाडा को एपीओ कर दिया गया है। चिकित्सा विभाग में भी बदलाव हुआ है, जिसमें डूंगरपुर के सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता और सिकराय अस्पताल के पीएमओ डॉ. रामकिशन मीणा को हटाकर निदेशक (जन स्वास्थ्य) कार्यालय में भेजा गया है।

इंदौर में 'आदमखोर' चूहों का आतंक! एनआईसीयू में 2 नवजातों को कुतर कर मारडाला, जिम्मेदार कौन?

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में एक ऐसी घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, जो किसी डरावनी फिल्म से कम नहीं। शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (टऌ), जो प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है और जहां माता-पिता अपने मासूम बच्चों की जिंदगी बचाने की उम्मीद लेकर आते हैं, वहां नवजात गहन चिकित्सा इकाई (ठकउव) में चूहों ने मासूमों को कुतर डाला।

रविवार (31 अगस्त 2025) और सोमवार (1 सितंबर 2025) को दो नवजात बच्चों के हाथ-पैर पर चूहे ने दांत गड़ाए, और अब दोनों मासूमों की मौत हो चुकी है। अस्पताल प्रशासन इसे सेप्टिसीमिया (रक्त संक्रमण) का हवाला देकर पल्ला झाड़ रहा है, लेकिन सवाल ये है-क्या ये सिर्फ लापरवाही है, या कुछ और? आइए, इस रूह कंपा देनी वाली खबर को विस्तार से जानें...

इंदौर का महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (MYH) मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है, जहां रोजाना हजारों मरीज इलाज की आस में पहुंचते हैं। लेकिन 31 और 1 सितंबर 2025 को इस अस्पताल के ठकउव में जो हुआ, उसने हर किसी को हिलाकर रख दिया।

पहला नवजातः इस बच्चे का वजन मात्र 1.2 किलोग्राम था, और वह जन्म से ही कम हीमोग्लोबिन और कई सर्जिकल समस्याओं से जूझ रहा था। उसे खरगोन में लावारिस हालत में छोड़ दिया गया था, और बाद में टऌ में भर्ती किया गया। 31 अगस्त को चूहों ने उसके हाथ और पैर कुतर दिए। मंगलवार (2 सितंबर) को उसकी मौत हो गई। डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने दावा किया कि मौत का कारण सेप्टिसीमिया था, न कि चूहे का काटना।

दूसरा नवजातः दूसरी बच्ची, जिसका पेट का ऑपरेशन हुआ था, वेंटिलेटर पर थी। 1 सितंबर को चूहों ने उसके कंधे और उंगलियों को काटा। उसकी हालत गंभीर थी, और बुधवार (3 सितंबर) को उसने भी दम तोड़ दिया।

दिल्ली और एनसीआर में 4 सितंबर को क्या बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज?

उत्तर भारत में जारी मॉनसून की भारी बारिश के बीच दिल्ली और आसपास के इलाकों में लगातार वर्षा हो रही है। 3 सितंबर को राजधानी दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में जलभराव तथा यातायात जाम की गंभीर समस्याएं देखी गई, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।बिगड़े मौसम और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की अतिरिक्त बारिश की चेतावनी के कारण, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर के जिला प्रशासन ने 3 सितंबर को स्कूलों में अवकाश घोषित किया था। बुधवार की देर रात तक दिल्ली, गौतम बुद्ध नगर या गाजियाबाद में स्कूल बंद करने से संबंधित कोई नई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

वहीं एनसीआर के कई अन्य शहरों जैसे शामली और बागपत में स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया गया है।

सम्पादकीय

बाढ़ रूपी अभूतपूर्व प्राकृतिक आपदा

बाढ़ से आंसू बहाते दो पंजाब, पाकिस्तान के वुछ यू टूबर्स आरोप लगा रहे हैं कि भारत के इस कदम से न केवल पाकिस्तान बल्कि भारत में भी बाढ़ आई। उनका दावा है कि भारत ने डैमों को पाकिस्तान के पानी से भरकर अचानक फाटक खोले, जिससे पाकिस्तानी पंजाब में विनाशकारी बाढ़ आई।

अमृता प्रीतम ने देश के बंटवारे के कारण पंजाब में हुए कत्लेआम पर एक कालजयी रचना लिखी थी- 'अज्ज आखाँ वारिस शाह नूं, कितों कबरां विच्चों बोल..'। ये नज़्म 1947 में हुए बंटवारे की प्रतिनिधि रचना मानी जाती है। इसमें बंटवारे के दर्द को बेहद मरमिक तरीके से व्यत्त किया गया है। आजकल सरहद के आर पार का पंजाब फिर से शोकावुल है। दोनो पंजाब बाढ़ के कारण हुई अपनी बबार्दी पर रो रहे हैं। भयानक बाढ़ ने लाखों लोगों को तबाह कर दिया है। इस कारण ना जाने कितने मवेशी बह गए हैं। इस कष्ट और बेबसी ने दो मुल्कों और सरहदों की दूरियां मिटा दी हैं। दरअसल दोनों पंजाब अभूतपूर्व प्रावृतिक आपदा का सामना कर रहे हैं। भारी मानसूनी बारिश, नदियों का उफान, और बांधों से पानी का अनियंत्रित रिसाव ने दोनों देशों के पंजाब प्रांतों में भयावह बाढ़ ला दी है। सोशल मीडिया पर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों की तस्वीरों को देखकर दिल दहल जाता है। सब तरफ पानी ही पानी दिखाई देता है। पंजाब क्षेत्र में इस साल मानसून असामान्य रूप से तीव्र रहा है। भारत और पाकिस्तान दोनों में मौसम विभागों के अनुसार, 1 जुलाई से 27 अगस्त 2025 के बीच पंजाब में पिछले साल की तुलना में 26.5ट्ठ अधिक बारिश दर्ज की गई। यह अत्यधिक वर्षा दक्षिण-पामि मानसून का परिणाम है, जो दोनों देशों में भारी बारिश का प्रमुख स्त्रोत है। जलवायु परिवर्तन ने इस मानसून को और उग्र बना दिया है, क्योंकि गर्म हवा अधिक नमी को समाहित करती है, जिसके परिणामस्वरूप भारी और अनियंत्रित बारिश होती है। पंजाब की प्रमुख नदियां- रावी, सतलज, ब्यास, और चिनाव साल असामान्य रूप से उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश ने इन नदियों में पानी का प्रवाह बढ़ा दिया है, जिसके कारण भारत के पंजाब में गुरदासपुर, अमृतसर, और फिरोजपुर जैसे जिलों में बाढ़ आई। पाकिस्तान में भी, इन नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसने लाहौर, कसूर, और बहावलनगर जैसे क्षेत्रों को जलमग्न कर दिया। लाहौर के पॉश इलाकों में रावी का पानी घुसने से हजारों घर प्रभावित हुए हैं। हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना भी इस बाढ़ का एक प्रमुख कारण है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, देश के 7,500 ग्लेशियरों में से लगभग 45ट्ठ तेजी से पिघल रहे हैं। यह पिघलता पानी रावी, सतलुज, और चिनाब जैसी नदियों में प्रवेश करता है, जिससे उनका जलस्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। पाकिस्तान के जाने माने पत्रकार हमजा हबीब कहते हैं कि उनके देश के पंजाब में खराब जल निकासी प्रणाली ने बाढ़ के प्रभाव को और बढ़ा दिया। उदाहरण के लिए, वाघा बॉर्डर पर जलभराव की स्थिति भारत की तुलना में अधिक गंभीर थी, क्योंकि भारत ने बेहतर रेन वाटर हार्वेस्टग और ड्रेनेज सिस्टम लागू किया है। इसके विपरीत, पाकिस्तान में अपर्याप्त ड्रेनेज ने पानी को जमा होने दिया, जिससे सड़वें, घर, और खेत जलमग्न हो गए। भारत में भी, वुछ क्षेत्रों में पुराने बुनियादी ढांचे और अतिामण ने जल निकासी को बाधित किया, जिससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई। सब जानते हैं कि पंजाब दोनों देशों का ठअन्न भंडारठ है। इस बाढ़ ने इसे बुरी तरह प्रभावित किया है। भारत में 61 हजार हेक्टेयर से अधिक वृषि भूमि डूब गई, जबकि पाकिस्तान में हजारों एकड़ फसलें नष्ट हो गई। यह न केवल खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि लाखों किसानों की आजीविका को भी नष्ट कर रहा है। 2022 के बाद फिर डूबा पाक - 2022 की बाढ़ की तरह, इस बार भी पाकिस्तान में खाद्य संकट की आशंका बढ़ गई है। पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और यह बाढ़ उसकी चुनौतियों को और बढ़ा रही है। हजारों घर, सड़वें, और सार्वजनिक बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया है। पाकिस्तान में इससे पहले 2022 में भी भयानक बाढ़ से हाहाकार मच गया था। तब भी पड़ोसी मुल्क का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया था।

शहरी विकास वर्ष में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का राज्य के शहरी क्षेत्रों में नगर पालिकाओं द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों को और अधिक गति देने वाला निर्णय

- मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान से शहरों में किए जाने वाले कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति देने की शक्तियों में 50 फीसदी की वृद्धि की
- विकास कार्य शुरू करने में होने वाले विलंब को दूर कर ग्रांट का अधिकतम सदुपयोग सुनिश्चित करने एवं प्रशासनिक सरलीकरण के लिए मुख्यमंत्री का अनुकरणीय निर्णय
- नगर पालिका स्तर पर समिति द्वारा तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद आर.सी.एम. द्वारा दो किस्तों में 100 फीसदी ग्रांट का आवंटन किया जाएगा
- 'अ' श्रेणी की नगर पालिका में अब नगर पालिका स्तरीय समिति द्वारा ही 70 लाख रुपए तक के कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति दी जा सकेगी
- 'ब' श्रेणी में 50 लाख रुपए, 'क' श्रेणी में 40 और 'ड' श्रेणी में 30 लाख रुपए तक के कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति दी जा सकेगी

गांधीनगर, 03 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी विकास वर्ष की संकल्पना को साकार करते हुए शहरों-नगरों में स्थानीय निकायों द्वारा किए जाने वाले नागरिक-उन्मुख विकास कार्यों को और अधिक गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

मुख्यमंत्री ने राज्य की नगर पालिकाओं को शहरी विकास विभाग की योजनाओं तथा विकेंद्रिकृत जिला योजना कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकार के योजना प्रभाग की ग्रांट से उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति देने की शक्तियों की सीमा में 50 फीदी की वृद्धि करने का निर्णय किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2005 में शहरी विकास वर्ष के आयोजन द्वारा योजनाबद्ध शहरी विकास की नींव डाली थी।

शहरी विकास की दो दशकों की इस सफलता के चलते मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 2025 के वर्ष को शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाकर शहरी

परिवेश में परिवर्तन और नागरिकों के सशक्तिकरण के जरिए स्मार्ट और सस्टेनेबल शहरों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस लक्ष्य को साकार करने के लिए शहरों में विकास कार्यों में और अधिक तेजी लाकर शहरी जनसुविधा के कार्यों को शीघ्रता से शुरू करने के लिए वित्तीय शक्तियों की सीमा में की गई यह वृद्धि परिणामकारी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से 'अ' श्रेणी की नगर पालिकाओं के विकास कार्यों के लिए नगर पालिका स्तरीय समिति द्वारा दी जाने वाली तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति की 50 लाख रुपए की मौजूदा वित्तीय सीमा को 20 लाख रुपए बढ़ाकर अब 70 लाख रुपए कर दिया है।

इतना ही नहीं, 'ब' श्रेणी की नगर पालिकाओं के लिए 40 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए, 'क' श्रेणी के लिए 30 लाख रुपए से बढ़ाकर 40 लाख रुपए और 'ड' श्रेणी के लिए 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपए तक के कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति देने की शक्तियां सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सरलीकरण की दिशा में एक अनुकरणीय कदम उठाकर यह भी सुनिश्चित करने के दिशा-निर्देश दिए हैं कि नगर पालिका स्तरीय समिति द्वारा तकनीकी और प्रसासनिक स्वीकृति मिलने के बाद प्रादेशिक म्युनिसिपल कमिश्नर (आरसीएम) कार्यालय द्वारा संबंधित नगर पालिका को प्रस्ताव मिलने के पांच दिनों के भीतर अनुदान आवंटित कर दिया जाए।

इतना ही नहीं, इस प्रकार के अनुदान को दो किस्तों में 100 फीसदी आवंटित कर दिया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप नगर पालिका क्षेत्रों में विकास कार्यों को शुरू करने में होने वाले विलंब का निवारण हो सकेगा और अनुदान का अधिकतम सदुपयोग भी किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय शक्तियों की सीमा में वृद्धि का यह निर्णय शहरी क्षेत्रों के विधायकों, स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों और अग्रणियों द्वारा इस विषय में उनके समक्ष रखी गई मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए किया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस निर्णय के चलते शहरों और शहरी क्षेत्रों के सुनियोजित विकास के साथ-साथ 'अर्निंग वेल, लिविंग वेल' का दृष्टिकोण भी चरितार्थ होगा तथा शहरी क्षेत्रों में जन सुविधा के कार्यों सहित विभिन्न विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरे होंगे।

यमुना में बढ़े जलस्तर ने तोड़ा रिकॉर्ड, दिल्ली सचिवालय तक पहुंचा पानी, निगमबोध घाट की दीवार तोड़ी

(जीएनएस)।

दिल्ली में यमुना नदी का लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने लोगों की धड़कने बढ़ा दी है। इसकी वजह से स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यमुना का उफान दिल्ली सचिवालय जाने वाले मार्ग तक पहुंच गया है, जिससे एक रास्ता बंद कर दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने आउटर रिंग रोड और आसपास के इलाकों में भारी जाम की आशंका जताते हुए अलर्ट जारी किया है।

वहीं बुधवार देर शाम निगमबोध घाट परिसर की दीवार ढहने से बाढ़ का पानी तेजी से अंदर घुस गया, जिसके कारण दिल्ली के सबसे पुराने और व्यस्त श्मशान घाट को बंद करना पड़ा। इससे पहले ही दिन में पानी भरने के कारण दाह संस्कार रोक दिए गए थे, लेकिन दीवार टूटने से हालात और गंभीर हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, घाट के भीतर पानी भर जाने से इसे सुरक्षा कारणों से बंद करना अनिवार्य हो गया था।

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश के चलते यमुना नदी में आई बाढ़ ने 2023 की बाढ़ की यादें ताजा कर दी है। तब यमुना नदी का जलस्तर 208.66 मीटर तक पहुंच गया था और दिल्ली के प्रमुख इलाके जलमग्न हो गए थे और हजारों की संख्या में लोगों को सुरक्षित जगह पर विस्थापित करना पड़ा था। वहीं इस बार भी यमुना में जलस्तर 207 मीटर के पार चला गया है।

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 38 राहत कैंप स्थापित किए हैं, जहां हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इतना ही नहीं कई टेंट में भी पानी पहुंच गया है। यमुना बाजार इलाके में लगाए गए राहत शिविरों में पानी घुसने के बाद, वहां से लोगों को अन्य सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। प्रशासन ने पूरे इलाके को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

निगमबोध घाट के बंद होने से राजधानी में अंतिम संस्कार व्यवस्था

पर दबाव बढ़ गया है। सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जलस्तर और बढ़ा तो राजधानी में हालात बिगड़ सकते हैं।

यमुना के जलस्तर का रिकॉर्डः

2023: 208.66 मीटर

1978: 207.49 मीटर

2025: 207.33 मीटर (शाम 6 बजे)

2013: 207.32 मीटर

दिल्ली सरकार ने यमुना किनारे बसे इलाकों से लोगों को स्थानांतरित करने की तैयारी शुरू कर दी है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे काम कर रहा है और हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। दिल्ली के ढहऊ मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को आईटीओ बैराज का दौरा किया। मंत्री ने बताया यमुना बेल्ट पर रहने वाले लोगों को स्कूलों में बने कैंपों में स्थानांतरित किया जा रहा है।

जलभराव की वजह से किया रूट डायर्जन

दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि आउटर रिंग रोड पर मजनूं का टीला से सलीमगढ़ बाईपास तक यातायात प्रभावित है। कई स्थानों पर डायवर्जन लगाए गए हैं।

अगले दो दिनों तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में ऊपरी राज्यों में भारी बारिश के कारण यमुना में पानी का प्रवाह तेजी से बढ़ा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

रुबीना का प्यारा खुलासा: उनके फोन में अभिनव का नंबर सेव है 'टोब्लू' नाम से खुला राज पति पत्नी और पंगा में

प्यार हमेशा बड़े-बड़े इजहारों से नहीं जुड़ा होता, बल्कि अक्सर यह उन छोटी-छोटी शरारतों, नोक-झोंक और अंदरुनी मजाकों से खास बनता है जो रिश्ते को सच्चा और अनोखा बनाते हैं। कलर्स का शो पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक दर्शकों के लिए कुछ ऐसा ही लेकर आता है। इस बार शो में मस्ती और रोमांच का तड़का और भी मजेदार अंदाज में देखने को मिलेगा। आने वाले एपिसोड में पत्नियों को घुमती कुर्सियों पर बिठाया जाएगा जबकि उनके पतियों से रैपिड-फायर सवाल पूछे जाएंगे। इस दौरान हंसी-ठिठोली, सस्पेंस और चटपटी नोक-झोंक का तूफान मचेगा, जब जोड़ियां एक-दूसरे को मात देने की कोशिश करेंगी।

इसी बीच एक सवाल ने सबका ध्यान खींचा - रुबीना दिलैक का लास्ट डायल्ड नंबर। रुबीना का जवाब सुनकर सब हंसते-हंसते लोटपोट हो गए - 'टोब्लू।' दरअसल, यह निकनेम एक मजाक से शुरू हुआ था जब अभिनव ने रुबीना को प्यार से 'टोबू' कहना शुरू किया और रुबीना ने मजाक में उन्हें 'टोब्लू' बुलाना शुरू किया। देखते ही देखते यह मजाक पिछले 10 सालों से उनके रिश्ते की प्यारी परंपरा बन गया और आज भी दोनों की मुस्कान की वजह है। ये साबित करता है कि कई बार रिश्ते को खूबसूरत बनाने वाली चीजें वही

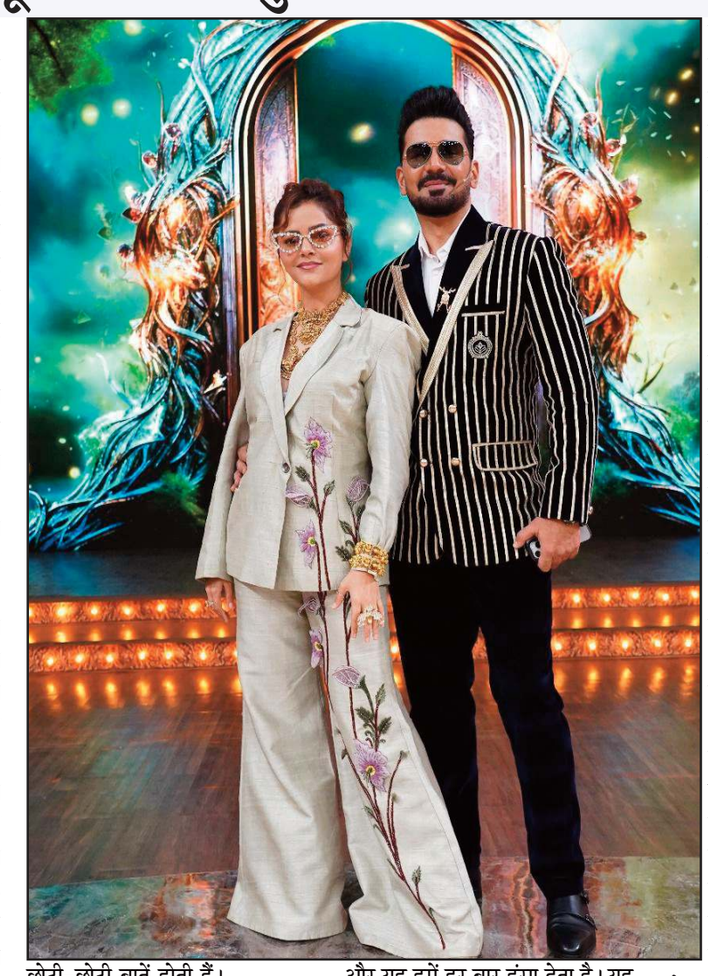

छोटी-छोटी बातें होती हैं।

इस खास निकनेम के बारे में रुबीना दिलैक ने कहा - -वो मुझे टोबू कहते हैं और मैं उन्हें टोब्लू... और यह हमें हर बार हंसा देता है। यह मजाक से शुरू हुआ था लेकिन सालों में यह हमारे जीवन का हिस्सा बन गया। हाँ, यह थोड़ा बचकाना है, लेकिन यह हमारा है और हमेशा हमें याद दिलाता है कि हमारा रिश्ता कितना मजेदार है। मुझे लगता है किसी भी रिश्ते में यही छोटे-छोटे पल, मजाक, निकनेम और छोटी-छोटी रस्में ही रिश्ते को जोड़े रखती हैं और उसे हल्का-फुल्का, खुशहाल और सच्चा बनाती हैं।-

अभिनव शुक्ला ने भी मुस्कुराते हुए कहा- -यह बस एक निकनेम है जो टिक गया, इसमें कुछ खास नहीं। लेकिन हर बार जब वह मुझे टोब्लू कहती हैं तो मैं मुस्कुरा देता हूँ। यही छोटी-छोटी, प्यारी बातें साथ रहने को मजेदार बनाती हैं और मुझे लगता है कि यही कारण है कि सालों तक रिश्ता आसान और खुशहाल बना रहता है।-

निविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक, सह-प्रायोजकः शुगर फ्री ग्रीन, राजधानी बेसन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोअर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स और लॉरियल पेरिस हायलुरोन प्योर। स्पेशल पार्टनर्सः कोलगेट और कैच मसाले। देखें हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच होंगे 3 मुकाबले? कैसे होगा यह संभव, सामने आया समीकरण

(जीएनएस)।

भारत और पाकिस्तान के बीच हर इवेंट का मुकाबला हमेशा खास ही होता है। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच इस बार मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। यह मैच दुबई में होगा। दोनों टीमों की तरफ से जीत दर्ज करने के लिए जोर लगाया जाएगा।

इस एक मैच से ही मामला समाप्त नहीं होने वाला है। इस एशिया कप में टीम इंडिया तीन बार पाक के खिलाफ खेल सकती है। ऐसा संभव है क्योंकि एशिया कप का फॉर्मेट इसके पक्ष में है। ग्रुप चरण में एक मैच होने के बाद अगले चरण में दो मैच होने के आसार हैं।

आठ टीमों को 4-4 के हिसाब से दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को एक साथ रखा गया है। ग्रुप चरण के बाद सुपर 4 के मैच होंगे। वहां चार टीमें

होंगी। हर टीम उसमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद रैंकिंग के आधार पर फाइनल का रास्ता तय होगा।

सुपर चार से फाइनल का रास्ता

अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें सुपर फॉर चरण में टॉप दो टीमें बनकर सामने आती हैं, तो फाइनल मैच खेला जाएगा। सुपर चार में टॉप दो टीमों को फाइनल खेलने का मौका मिलेगा। सेमीफाइनल का कोई प्रावधान इस इवेंट में नहीं रखा गया है। इस वजह से अगर फाइनल में भारत-पाक दोनों जाते हैं, तो दोनों के बीच कुल तीन मुकाबले हो जाएंगे।

किस टीम का पलड़ा रहेगा भारी

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। टी20 फॉर्मेट में दोनों टीमों के बीच जितने भी मैच खेले गए हैं, उनमें भारतीय टीम ने जमकर धमाल मचाया है। उसे देखते हुए एशिया कप में भी पाकिस्तान की राह मुश्किल होगी।

भारत-पाक के बीच टी20 फॉर्मेट में अब तक कुल 13 मुकाबले खेले गए हैं। भारतीय टीम ने 10 मैचों में जीत दर्ज की है। पाकिस्तानी टीम को महज 3 ही मैचों में जीतने का मौका मिला है। इन आंकड़ों को देखते हुए कहा जा सकता है कि 14 सितंबर को भारतीय टीम एक बार फिर से पाकिस्तान को पीट देगी।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा ने क्यों बंद किया अपना रेस्तरां 'बास्टियन बांद्रा', क्या है इसके पीछे की कहानी

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। कुछ हफ्ते पहले ही आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने दोनों के खिलाफ 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। इसी बीच शिल्पा ने अपने मशहूर रेस्टोरेंट 'बास्टियन बांद्रा' को बंद करने का ऐलान किया है।

2016 में लॉन्च हुआ यह रेस्टोरेंट मुंबई की नाइटलाइफ का अहम हिस्सा बन चुका था। शिल्पा ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को इस फैसले की जानकारी दी और बताया कि जल्द ही इसका नया रूप 'बास्टियन एट द टॉप' के तहत पेश किया जाएगा।

मुंबई के 'हॉटस्पॉट' में शुमार था यह रेस्टोरेंट

मुंबई में 2016 में शुरू हुआ 'बास्टियन बांद्रा' न केवल खाने के लिए बल्कि फिल्मी सितारों और बिजनेस जगत की हस्तियों के लिए मिलने-जुलने का अहम स्थल बन गया था। खासकर सी-फूड के लिए मशहूर यह रेस्टोरेंट समय के साथ शहर की नाइटलाइफ का प्रतीक बन गया। शिल्पा शेट्टी और रंजीत बिंद्रा की पार्टनरशिप में शुरू हुआ यह रेस्टोरेंट मुंबई के 'हॉटस्पॉट' में शुमार था।

'बास्टियन एट द टॉप' के साथ नए अध्याय की शुरूआत की

शिल्पा ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि यह गुरुवार मुंबई के लिए एक युग का अंत होगा। उन्होंने कहा, 'बास्टियन ने हमें और शहर को अनगिनत यादें दी हैं। इस मौके पर हम एक खास नाइट आयोजित करेंगे, जिसमें पुराने ग्राहकों और दोस्तों के साथ इन यादों को सेलिब्रेट किया

जाएगा।' इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बास्टियन ब्रांड पूरी तरह खत्म नहीं होगा। इसके नए चैप्टर के तहत बास्टियन एट द टॉप नाम से नई ऊर्जा और अनुभव के साथ रेस्टोरेंट को फिर से पेश किया जाएगा।

शिल्पा और राज कुंद्रा पर 60.4 करोड़ ठगी का आरोप

इस ऐलान के बीच शिल्पा और राज कुंद्रा पर 60.4 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप भी है। मुंबई के कारोबारी दीपक कोठारी ने शिकायत में कहा कि यह राशि 2015 से 2023 के बीच निवेश और लोन के रूप में दी गई थी, लेकिन कथित तौर पर इसे व्यक्तिगत खर्चों में इस्तेमाल किया गया। मामला 'बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी से जुड़ा है, जो अब बंद हो चुकी है।

शिल्पा और राज के वकील प्रशांत पाटिल ने इस मामले पर बयान जारी कर इसे पुराने सिविल लेन-देन का मामला बताया। उन्होंने कहा कि 2024 में एनसीएलटी मुंबई में इसका ट्रायल हो चुका है और इसमें कोई आपराधिक पहलू नहीं है। पाटिल ने यह भी कहा कि सभी ऑडिट दस्तावेज और कैश फ्लो स्टेटमेंट जांच एजेंसियों को समय-समय पर सौंपे जा चुके हैं।

भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा? सरप्राइज की जगह इस बार क्लियर कट होगा फैसला, चुनाव में देरी क्यों?

(जीएनएस)।

भाजपा में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर सस्पेंस लगातार बढ़ता जा रहा है। बिहार चुनाव से पहले पार्टी जल्द ही नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार कोई बड़ा सरप्राइज नहीं होगा और चर्चा में आए नामों में से ही किसी को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक भाजपा इस बार किसी चौंकाने वाले नाम का ऐलान नहीं करेगी। भाजपा ने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामों की पैनल तैयार कर ली है, बस उसपर विचार किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा 6 नामों पर गंभीरता से विचार कर रही है। इनमें शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, सुनील बंसल और विनोद तावड़े शामिल हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि असली मुकाबला शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल खट्टर के बीच है।

भाजपा इस बार नहीं देगी सरप्राइज

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा इस बार किसी चौंकाने वाले नाम पर दांव नहीं लगाएगी। पार्टी का रुख साफ है कि सामाजिक समीकरण या क्षेत्रीय संतुलन को देखते हुए चयन नहीं होगा, बल्कि उन्हीं चेहरों में से किसी को अध्यक्ष बनाया जाएगा जिनके नाम पहले से चर्चा में हैं। यानी संभावना है कि किसी बड़े और परिचित चेहरे को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान सौंपी जाएगी।

हालांकि, यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगर किसी वजह से बिहार चुनाव की घोषणा से पहले नया अध्यक्ष नहीं चुना जा सका, तो फिर चुनाव प्रक्रिया के बीच नहीं, बल्कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ही नए अध्यक्ष का ऐलान किया जाएगा।

कब होगा भाजपा के नए अध्यक्ष का ऐलान?

पार्टी सूत्रों का कहना है कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद सलाह-मशविरा तेज होगा और इसके बाद अध्यक्ष चुनाव का कार्यक्रम तय किया जाएगा। अगर बिहार चुनाव से पहले नए अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाया, तो यह प्रक्रिया चुनाव के बाद पूरी होगी।

कहा जा रहा है कि जल्द ही भाजपा की एक बैठक होने वाली है, जिसमें केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल, भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति और राज्यपालों के तबादले जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। रिपोर्ट ये भी है कि पितृ पक्ष के दौरान भाजपा किसी भी तरह से बदलाव नहीं करेगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेन

मुंबई, 3 सितंबर, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्‍योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी, उधना-मऊ और उधना-छपरा के बीच विशेष किराए पर त्‍योहार स्‍पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी साप्ताहिक विशेष [28 फेरे]

ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:30 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 28 दिसंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को भगत की कोठी से 11:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 27 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जं., पाली मारवाड़ एवं लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 05018/05017 उधना-मऊ साप्ताहिक स्पेशल [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 05018 उधना-मऊ स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:30 बजे मऊ पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 2 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05017 मऊ-उधना स्पेशल प्रत्येक शनिवार को मऊ से 05:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 01 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, रतलाम, नागदा, शामगढ़, भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर और बेल्थरा रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 05116/05115 उधना-छपरा साप्ताहिक स्पेशल [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 05116 उधना-छपरा स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:00 बजे छपरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05115 छपरा-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को छपरा से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन यानी रविवार को 07:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, वाराणसी, जौनपुर, औंड़िहार, गाजीपुर सिटी और बलिया स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04828 की बुकिंग 06 सितम्बर, 2025 से, जबकि ट्रेन संख्या 05018 एवं 05116 की बुकिंग 05 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर चर्नी रोड स्टेशन पर लोकल ट्रेनों के समय में परिवर्तन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे की फास्ट अप लोकल ट्रेनें 06/09/2025 को 17:00 बजे से 20:30 बजे तक मुंबई सेंट्रल और चर्चगेट के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी

सभी धीमी अप लोकल ट्रेनें 06/09/2025 को 17:00 बजे से 23:30 बजे तक चर्नी रोड स्टेशन पर नहीं रुकेंगी

6/7 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा 12 स्पेशल लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी

6/7 सितंबर, 2025 को गणपति विसर्जन के लिए गिरगांव चौपाटी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए चर्नी रोड स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर पश्चिम रेलवे द्वारा भीड़ प्रबंधन हेतु तथा यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए लोकल ट्रेनों की समय-सारणी में कुछ बदलाव किये गये हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा 6/7 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि को चर्चगेट और विरार के बीच 12 अतिरिक्त लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी। 6 सितंबर, 2025 को फास्ट अप लोकल ट्रेनें 17:00 बजे से 20:30 बजे तक चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी। प्लेटफॉर्म संख्या 2 और 3 पर आने और जाने वाले यात्रियों की भीड़ से बचने के लिए 6 सितंबर, 2025 को 17:00 बजे से 23:30 बजे के बीच सभी अप स्लो लोकल ट्रेनों को चर्नी रोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म क्रमांक 2 पर नहीं रोका जाएगा।

भावनगर-साबरमती सुपरफास्ट इंटरसिटी ट्रेन में 4 अतिरिक्त जनरल कोच की सुविधा

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की बढ़ती मांग और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए भावनगर मंडल की भावनगर-साबरमती दैनिक सुपरफास्ट इंटरसिटी ट्रेन में अस्थाई तौर पर अतिरिक्त कोच की सुविधा प्रदान की जा रही है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा हेतु निम्नानुसार अस्थायी व्यवस्था की गई है -

- ट्रेन संख्या 20966/20965 भावनगर-साबरमती-भावनगर दैनिक सुपरफास्ट इंटरसिटी ट्रेन में 04 (चार) जनरल श्रेणी के अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे।
- यह सुविधा 04 सितम्बर, 2025 से 03 अक्टूबर, 2025 तक उपलब्ध रहेगी।

इस निर्णय से यात्रियों को अतिरिक्त बैठने एवं यात्रा करने की सुविधा मिलेगी तथा भीड़भाड़ से भी राहत मिलेगी।

पश्चिम रेलवे चलाएगी असारवा और आगरा केंट के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी फेस्टिवल सीजन के दौरान यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए असारवा और आगरा केंट के बीच स्पेशल ट्रेन (दैनिक) विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्‍या 01920/01919 असारवा-आगरा केंट-असारवा दैनिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 01920 असारवा-आगरा केंट स्पेशल 22 सितंबर 2025 से 01 दिसंबर 2025 तक असारवा से प्रतिदिन 17.50 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 10.20 बजे आगरा केंट पहुंचेगी। इस तरह ट्रेन संख्या 01919 आगरा केंट-असारवा स्पेशल 21 सितंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक आगरा केंट से प्रतिदिन 23.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 16.35 बजे असारवा पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन हिम्मतनगर, डूंगरपुर, जावर, उदयपुर सिटी, मावली, चंदेरिया, मांडल गढ़, बूंदी, केशोराय पाटन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास और फतेहपुर सीकरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन सं. 01920 की बुकिंग 06 सितंबर 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कौन हैं कोटा नीलिमा? ने लगाया डबल वोटर आईडी रखने का आरोप, 'वोट चोरी' का 'गेम' कांग्रेस पर ही भारी?

(जीएनएस)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा एक बार फिर सियासी तूफान के केंद्र में हैं। बीजेपी ने दोनों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि इनके पास अलग-अलग राज्यों में दो-दो सक्रिय वोटर आईडी कार्ड हैं।

यह मामला सिर्फ एक आरोप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक गलियारों में गर्म बहस का कारण बन गया है। बीजेपी ने इसे बड़ी साजिश करार दिया है और भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इस मुद्दे को उठाते हुए चुनाव आयोग से जांच की मांग की है।

खैरताबाद और दिल्ली में सक्रिय वोटर आईडी

अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि कोटा नीलिमा, जिन्होंने तेलंगाना के खैरताबाद से चुनाव लड़ा था, के पास दो सक्रिय वोटर आईडी हैं। एक आईडी खैरताबाद में दर्ज है, जबकि

दूसरी नई दिल्ली में। मालवीय ने यह भी कहा कि इसी तरह पवन खेड़ा के पास भी दो वोटर आईडी होने की जानकारी पहले सामने आ चुकी है।

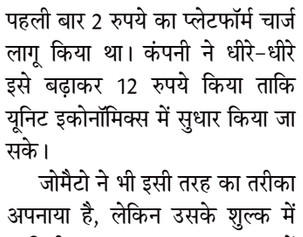

कौन हैं कोटा नीलिमा?

कोटा नीलिमा एक जानी-मानी लेखिका, शोधकर्त्री, कलाकार और कांग्रेस नेता हैं। उन्होंने किसान आत्महत्याओं, ग्रामीण संकट और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई किताबें लिखी हैं, वे दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में ढँऊ कर चुकी हैं और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मास्टर्स की डिग्री रखती हैं।

खाना मंगाना अब पड़ेगा महंगा, जोमैटो के बाद अब फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने भी इतने रुपये बढ़ा दिया प्लेटफॉर्म चार्ज

अगर आप भी खूब ऑनलाइन खाना ऑर्डर करते हैं तो अब आपकी जेब पर ये भारी पड़ने वाला है। क्योंकि जोमैटो के बाद अब फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने अपना प्लेटफॉर्म चार्ज बढ़ा दिया है, जिससे अब यह 12 रुपये से बढ़कर 15 रुपये हो गया है। यह बढ़ोतरी विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू हुई है जहां खाने की डिलीवरी की मांग अधिक है।

गौरतलब है कि इससे पहले 14 अगस्त के आसपास इसे 14 रुपये किया गया था, और अब इसमें एक रुपये की और वृद्धि की गई है।

यह शुल्क स्विगी के ग्राहकों द्वारा हर फूड डिलीवरी ऑर्डर पर दिया जाने वाला एक निश्चित चार्ज है, और 15 रुपये के इस प्लेटफॉर्म चार्ज में वस्तु एवं सेवा कर (GST) भी शामिल है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब त्योहारों के मौसम में मांग बढ़ने की उम्मीद है, और कंपनियां अपने मार्जिन को बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हैं।

इससे पहले, जोमैटो ने भी मंगलवार को अपने फूड डिलीवरी ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म चार्ज 10 रुपये से बढ़ाकर 12 रुपये कर दिया था, हालांकि इस शुल्क में जीएसटी शामिल नहीं है। स्विगी ने अप्रैल 2023 में पहली बार 2 रुपये का प्लेटफॉर्म चार्ज लागू किया था। कंपनी ने धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 12 रुपये किया ताकि यूनिट इकोनॉमिक्स में सुधार किया जा सके।

जोमैटो ने भी इसी तरह का तरीका अपनाया है, लेकिन उसके शुल्क में आखिरी बदलाव अक्टूबर 2024 में हुआ था। यह शुल्क, भले ही स्विगी के प्लेटफॉर्म पर औसत ऑर्डर मूल्य (लगभग 500-600 रुपये) के मुकाबले छोटा है, कंपनी को अपने मार्जिन सुधारने में मदद कर सकता है। हालांकि, स्विगी ने इस बढ़ोतरी पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

यह बढ़ोतरी उस समय हुई है जब स्विगी को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। अप्रैल से जून की तिमाही में कंपनी का शुद्ध घाटा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले दोगुना होकर 1,197 करोड़ रुपये हो गया। इसका मुख्य कारण इसकी इंस्टामार्ट सेवा में किया गया अधिक निवेश बताया गया है।

हालांकि, कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 54 फीसदी बढ़कर 4,961 करोड़ रुपये रहा, लेकिन विभिन्न गतिविधियों के बाद इसका कैश आउटफ्लो 1,053 करोड़ रुपये रहा, जिसका अर्थ है कि कंपनी ने इस अवधि में नकदी खर्च की है।

बीएसआर निलंबन के बाद के कविता ने दिया इस्तीफा, पिता केसीआर के लिए भावुक होकर बोल दी बड़ी बात

(जीएनएस)।

तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (BRS) ने के. कविता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित कर दिया था, जिसके एक दिन बाद उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया है।

मंगलवार को पार्टी ने के. कविता को निलंबित किया था, जिसके जवाब में बुधवार को उन्होंने अपनी इस्तीफे की घोषणा की। कविता ने बीआरएस से अपने निलंबन को 'पीड़ादायक' बताय "यह बहुत दुखद है कि मुझे अचानक बीआरएस पार्टी से निलंबित कर दिया गया।"

कविता ने पिता केसीआर को भेजा इस्तीफा

मीडिया से बात करते हुए के कविता ने अपने इस्तीफे की पुष्टि की, "मैं एमएलसी पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं अपना इस्तीफा स्पीकर और पार्टी अध्यक्ष यानी अपने पिता के. चंद्रशेखर राव को भेज रही हूं।"

क्या किसी और पार्टी में शामिल हो रही के कविता?

कविता ने साफ किया कि वह फिलहाल किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं हो रही हैं। उन्होंने बताया, "मैं किसी भी पार्टी के साथ नहीं जा रही हूं, लेकिन तेलंगाना जागृति के सदस्यों के साथ चर्चा करूंगी और अगले कदम पर फैसला करूंगी।"

पिता केसीआर और भाई के लिए बोल दी बड़ी बात

अपने निलंबन पर कविता ने अपने पिता केसीआर और भाई केटी रामा राव के साथ अपने संबंधों पर भी बात की। उन्होंने कहा, "केसीआर गुरु और केटीआर गुरु मेरे परिवार हैं। हम खून के रिश्ते से बंधे हैं। यह बंधन पार्टी से निलंबन या पद गंवाने जैसे कारणों से नहीं टूटना चाहिए।"

परिवार तोड़ने का लगाया आरोप?

हालांकि, के कविता ने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक लाभ के लिए उनके परिवार को तोड़ना चाहते हैं। कविता ने अपने पिता से अनुरोध किया कि वे अपने आसपास के पार्टी नेताओं की जांच करें।

कविता ने दावा किया, "मैंने साफ-साफ बात की और उनसे मेरे शब्दों पर विचार करने का अनुरोध किया। (तेलंगाना के मुख्यमंत्री) रेवंत रेड्डी और (बीआरएस विधायक) हरीश राव ने एक साथ फ्लाइट में यात्रा करते हुए कथित तौर पर हमारे परिवार को बर्बाद करने की योजना बनाई।"

कविता ने रेवंत रेड्डी से इस पर जवाब मांगा

कविता ने रेवंत रेड्डी से इस पर जवाब मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि रेड्डी ने केवल उनके परिवार के सदस्यों, केटीआर और केसीआर के खिलाफ मामले दर्ज किए, लेकिन हरीश राव के खिलाफ नहीं।

भारतीय रेलवे ने बदल दिया पार्सल बुकिंग के नियम, पहले और अब के रूल्स में है कितना अंतर?

(जीएनएस)।

भारतीय रेल ने यात्रियों और पार्सल सेवा की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब रेलवे के पार्सल बुकिंग सिस्टम में पारदर्शिता और निगरानी को बढ़ाने के लिए सख्त नियम लागू किए जा रहे हैं। अब कोई भी व्यक्ति पार्सल बुक कराने जाएगा तो उसे अपनी पहचान बतानी अनिवार्य होगी। इस कदम का मकसद धोखाधड़ी और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाना है।

पार्सल बुक कराने वाले व्यक्ति को अब पहचान पत्र की फोटो कॉपी और मोबाइल नंबर देना होगा। पहचान के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट में से कोई एक दस्तावेज दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही, बुकिंग की जानकारी और सीसीटीवी फुटेज का

रिकॉर्ड 30 दिनों तक सुरक्षित रखा जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर जांच में मदद मिल सके।

संदिग्ध पार्सल पर नजर

रेलवे ने निर्देश दिया है कि पार्सल में बुक किए जाने वाले सामान की जांच-पड़ताल भी होगी। जरूरत पड़ने पर डॉग स्क्वॉड की मदद से संदिग्ध पार्सलों की तलाशी ली जाएगी। रेलवे का मानना है कि इस कदम से पार्सल सेवा में पारदर्शिता बढ़ेगी और धोखाधड़ी की घटनाओं पर रोक लगेगी।

डेटा और सीसीटीवी फुटेज का रिकॉर्ड

बुकिंग डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज का रिकॉर्ड कम से कम 30 दिनों तक सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच में तुरंत मदद मिल सके। रेलवे का मानना है कि इन सख्त नियमों से धोखाधड़ी और सुरक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों पर रोक लगेगी।

पुराने नियमों की प्रक्रिया

पहले पार्सल बुकिंग की प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल थी। उस समय केवल "फॉरवर्डिंग नोट" भरने और रेलवे रसीद (फ्फ़) लेने की जरूरत होती थी। पार्सल की पैकिंग और वजन की जांच मौके पर की जाती थी। इ१ङ्कीं ॠ्ठी पर अधिकतम 150 किलोग्राम वजन और 2.01.51.25 मीटर डाइमेंशन की सीमा निर्धारित थी।

चार स्केल के आधार पर चार्ज

पुराने नियमों में पार्सल की दरें चार स्केल - स्केल-फ (राजधानी), स्केल-ढ (प्रीमियर), स्केल-र (स्टैंडर्ड) और स्केल-छ (लगेज) - के आधार पर तय होती थीं।

टीवी एक्टर आशीष कपूर को रेप के आरोप में हुए अरेस्ट, इंस्टाग्राम पर दोस्ती और एक हाउस पार्टी के दौरान हुई घटना से जुड़ा

(जीएनएस)।

दिल्ली पुलिस ने टीवी के मशहूर एक्टर आशीष कपूर को बलात्कार के आरोप में पुणे से गिरफ्तार किया है। उन पर एक महिला ने बलात्कार का गंभीर आरोप लगाया है। यह मामला अगस्त 2025 के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में एक हाउस पार्टी के दौरान हुई घटना से जुड़ा है।

एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अगस्त के दूसरे सप्ताह में दिल्ली में एक हाउस पार्टी के दौरान कपूर ने वॉशरूम के भीतर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। इस गिरफ्तारी से मनोरंजन जगत में हलचल मच गई है और सोशल मीडिया पर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बनथिया ने पुष्टि की कि कपूर को बुधवार को पुणे से गिरफ्तार किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने पहले गोवा, फिर पुणे में आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी, दोनों जगहों पर टीमें भेजी गईं और अंततः उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इंस्टाग्राम पर हुई थी एक्टर से दोस्ती

पुलिस के अनुसार, पीड़िता और 'सात फेरे' फेम अभिनेता आशीष कपूर की पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हुई थी। बातचीत के बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और फिर मुलाकातें शुरू हुईं। अगस्त 2025 के दूसरे हफ्ते में दिल्ली के एक घर में पार्टी रखी गई, जिसमें आशीष कपूर अपने दोस्तों के साथ मौजूद थे।

एक्टर और उसके दोस्तों ने किया यौन उत्पीड़न

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आशीष कपूर, उनके दोस्त जिन्होंने पार्टी की मेजबानी की थी और दो अज्ञात पुरुषों ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। उसने यह भी दावा किया कि एक महिला ने उसे शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

पीड़िता का आरोपः वॉशरूम में हुई घटना

एफआईआर में दर्ज बयान के अनुसार, पार्टी के दौरान पीड़िता वॉशरूम गई, जहां आशीष कपूर पहले से मौजूद थे। पीड़िता का आरोप है कि वहीं पर कपूर ने उसके साथ जबरदस्ती की। उसने यह भी दावा किया कि घटना के दौरान वीडियोग्राफी भी की गई, हालांकि पुलिस को अब तक ऐसा कोई वीडियो सबूत नहीं मिला है।

दोस्तों पर पहले लगाया आरोप, बाद में बदल दिया बयान

शुरूआत में दर्ज एफआईआर में आशीष कपूर, उनके एक दोस्त, दोस्त की पत्नी और दो अन्य अज्ञात लोगों के

नाम शामिल थे। हालांकि, बाद में पीड़िता ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि केवल आशीष कपूर ने ही उसके साथ बलात्कार किया। इस बदलाव के बाद जांच का फोकस अब पूरी तरह आशीष कपूर पर केंद्रित हो गया है। महिला ने यह भी आरोप लगाया था कि घटना का वीडियो बनाया गया था, लेकिन पुलिस की अब तक की जांच में कोई वीडियो नहीं मिला है।

पिटाई का भी आरोप

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि जब वह वॉशरूम से बाहर निकली, तो आशीष कपूर के दोस्त की पत्नी ने उसकी पिटाई की। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, पार्टी के बाद तनाव की स्थिति बनी और उसी वक्त आशीष कपूर के दोस्त की पत्नी ने ही पीसीआर कॉल कर पुलिस को बुलाया था।

पुलिस को सीसीटीवी में मिला ये फुटेज

11 अगस्त को कपूर, उनके दोस्त, दोस्त की पत्नी और दो अज्ञात पुरुषों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। 21 अगस्त को कपूर के दोस्त और उनकी पत्नी को अग्रिम जमानत मिल गई थी। सुनवाई के दौरान पीड़िता मौजूद थी, हालांकि उसके बयानों में कपूर के दोस्त का नाम शामिल नहीं था। जांच अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयानों के विश्लेषण से पता चला है कि पार्टी के दौरान पीड़िता और कपूर वॉशरूम में घुसे थे।

पुणे में पुलिस ने आशीष कपूर को किया अरेस्‍ट

दिल्ली पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए आशीष कपूर को पुणे से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें दिल्ली लाकर कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि मेडिकल और इलेक्ट्रॉनिक सबूत इकट्ठा करने की प्रक्रिया जारी है।

प्रशांत किशोर इस ब्राह्मण बहुल सीट से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, अब क्या होगा सियासी समीकरण?

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत में लंबे समय से यह सवाल गूंज रहा था कि क्या प्रशांत किशोर खुद चुनावी मैदान में उतरेंगे या सिर्फ रणनीतिकार की भूमिका में रहेंगे? आखिरकार इस सस्पेंस से पर्दा उठ गया है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने साफ कर दिया है कि वे बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में रोहतास जिले की करगहर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

"कर्मभूमि और जन्मभूमि से लड़ना चाहिए चुनाव"

पटना में आयोजित डिजिटल चैनल के कॉन्क्लेव में प्रशांत किशोर ने कहा-"मैं हमेशा मानता हूं कि किसी को दो जगह से चुनाव लड़ना चाहिए-एक उसकी जन्मभूमि और दूसरी कर्मभूमि। मेरी जन्मभूमि करगहर है और वहीं से मैं विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता हूं।" उनके इस ऐलान के बाद करगहर सीट अचानक बिहार की हॉट सीट बन गई है। यहां

अब सियासी समीकरणों की पूरी तस्वीर बदल सकती है।

प्रशांत किशोर का करगहर से चुनाव लड़ना बिहार की राजनीति में नई सरगर्मी लेकर आया है। ब्राह्मण बहुल इस सीट पर अब मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। महागठबंधन की मजबूती, एनडीए की रणनीति और जन सुराज की एंट्री-तीनों मिलकर इस चुनाव को ऐतिहासिक बना सकते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि प्रशांत किशोर पहले अपनी खुद की जमानत बचा लें, यही बड़ी बात होगी। प्रशांत किशोर की तरह प्रयोग पहले आनंद मोहन भी कर चुके हैं, लेकिन उन्हें मुंह की खानी पड़ी थी। प्रशांत किशोर का भी वही हाल हो सकता है।

तेजस्वी यादव की परंपरागत सीट राघोपुर सीट को लेकर भी दिया ये संकेत

प्रशांत किशोर ने भले ही खुलकर ऐलान न किया हो, लेकिन इशारों-इशारों में यह संकेत जरूर दे दिया है वह या तो अपने जन्मस्थान रोहतास जिले की करगहर सीट से चुनाव लड़ सकते हैं, या फिर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की परंपरागत सीट राघोपुर से ताल ठोक सकते हैं।

दिलचस्प बात यह रही कि प्रशांत किशोर ने एक साथ दो सीटों से चुनाव लड़ने की संभावना भी जताई। उन्होंने कहा, "नीतीश कुमार तो चुनाव लड़ते ही नहीं हैं। अगर जेडीयू अध्यक्ष खुद चुनाव मैदान में होते, तो मैं वहां से भी लड़ता।" हालांकि अब प्रशांत किशोर ने खुद ही साफ कर दिया है कि वो करगहर सीट से चुनाव लड़ेंगे।

आजादी के 79 वर्ष बाद भी क्षेत्र का विकास बुनियादी सुविधाओं से वंचित

(जीएनएस)।

फतेहपुर। बुंदेलखंड राज्य की मांग को के लेकर बुंदेलखंड राज्य के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय के नेतृत्व में एक बार फिर से तेजी लाई गई है। उन्होंने कहाकि आजादी के 79 वर्ष बाद भी यह क्षेत्र विकास और बुनियादी सुविधाओं से वंचित है।

समिति ने स्पष्ट किया कि बुंदेलखंड की करीब 2 करोड़ की आबादी और 70,592 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल है। यदि इसे स्वतंत्र राज्य बनाया जाए तो यह देश का 18वां सबसे बड़ा राज्य होगा। उच्च शिक्षा के नाम पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को शून्य बजट विश्वविद्यालय बना दिया गया है। सरकार से कोई विशेष सहयोग नहीं मिलता। यहां न तो हवाई अड्डा, न एम्स जैसे अस्पताल नहीं हैं। रेल संपर्क अधूरा है और रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। उनका कहना हैकि क्या विकास केवल महानगरों का ही हक है? बुंदेलखंडी गांवों में रहने वाले लोग आज भी बेरोजगार हैं। ग्रामीण जीवन लगातार संकटों से जूझ रहा है। मामला विधानसभा में भी उठा था। सन 2011 विधान सभा में बुंदेलखंड राज्य का प्रस्ताव पारित हुआ था। राज्य सरकार ने फतेहपुर, कौशांबी और कानपुर देहात को बुंदेलखंड राज्य में शामिल कर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था, लेकिन इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

राज्य की मांग को लेकर 42 बार खून से लिखा पत्र

प्रवीण पांडेय ने अब तक अपने खून से 42 बार खत लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य की मांग करते चले आ रहे। इसके अलावा समिति के द्वारा गुरुपूर्णिमा से लेकर जन्माष्टमी तक प्रधानमंत्री को एक लाख से अधिक राखियां भेजकर बुंदेलखंड राज्य की मांग की है।

विकास तभी संभव, जब स्वतंत्र राज्य बने

प्रवीण पांडेय ने कहा कि बुंदेलखंड का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब यह स्वतंत्र राज्य बने। उन्होंने कहाकि इसमें अब जनता को संगठित होकर संघर्ष तेज करना होगा, ताकि हमारा हक हमें मिल सके।

स्योहारा पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में हुई लावारिस बाइक नीलामी, 52 लावारिस बाइक नीलाम, 59 लोगों ने लगाई बोली

(जीएनएस)।

बिजनौर।

स्योहारा थाना परिसर में बुधवार को 52 लावारिस मोटरसाइकिलों की नीलामी प्रशासन और पुलिस की देखरेख में संपन्न हुई। ये सभी मोटरसाइकिलें दुर्घटनाग्रस्त थीं और लंबे समय से थाने में खड़ी थीं।

नीलामी की प्रक्रिया की शुरूआत लगभग डेढ़ लाख रुपये से हुई थी। बोली में शामिल होने के लिए कुल 59 प्रतिभागी मौजूद थे, जिनमें से कई ने उत्साहपूर्वक प्रतिस्पर्धा की। नीलामी की अंतिम बोली 5 लाख रुपये तक पहुंची। सबसे ऊंची बोली नेहटौर निवासी सलीम ने लगाई, जिसके बाद उन्हें नीलामी का विजेता घोषित किया गया।

पूरे आयोजन के दौरान धामपुर पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे, एसडीएम धामपुर और स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि नीलामी से प्राप्त राशि सरकारी खजाने में जमा कराई जाएगी।

स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को सराहा और कहा कि लंबे समय से थाने में खड़े लावारिस वाहन जगह घेर रहे थे। नीलामी से जहां थाने का परिसर साफ हुआ, वहीं राजस्व भी बढ़ेगा। प्रशासन का कहना है कि आगे भी इस तरह की नीलामियां समय-समय पर आयोजित की जाएंगी।

निकेलोडियन ने टीचर्स डे पर बच्चों को दिया अपने असली हीरोज का सम्मान करने का मौका

बिट्टू के साथ स्कूलों में गूंजी 'टीचर्स ट्रॉफीज' की धूम

लखनऊ, बच्चों की खुशियों और उनकी दुनिया का जश्न मनाने वाले अग्रणी ब्रांड निकेलोडियन ने इस टीचर्स डे को और खास बना दिया। लाखों बच्चों के दोस्त बन चुके किरदारों और कहानियों से जुड़े इस चैनल ने 'टीचर्स ट्रॉफीज' पहल के जरिए कक्षाओं में जश्न का माहौल बना दिया। यह पहल बच्चों को अपने असली हीरोज — यानी उनके शिक्षकों — को सम्मानित करने का मौका देती है, यह याद दिलाते हुए कि सराहना सिर्फ एकतरफा नहीं होनी चाहिए।

भारतीय शिशु मंदिर में राउंड टेबल इंडिया के सहयोग से, मशहूर निकटून बिट्टू ने अपनी मस्तीभरी अदाओं और जोशीले अंदाज से माहौल को रंगीन बना दिया। बच्चों ने निक-थीम वाले काड्र्स के जरिए अपने शिक्षकों को मजेदार श्रेणियों में नामांकित किया — जैसे 'टेक विजार्ड अवॉर्ड' उस शिक्षक के लिए जो हर तकनीकी समस्या को पल में हल कर देता है, 'ट्रेंड स्पॉटर' जो हमेशा नए ट्रेंड्स में आगे रहता है, और 'अल्टीमेट ऑल-राउंडर' जो हर काम में माहिर है। इस खास मौके पर बिट्टू सोनिक के 'बिट्टू बहानेबाज' से शिक्षकों को ताज पहनाकर उनका सम्मान किया, जबकि सभी शिक्षकों को उनके समर्पण और देखभाल के लिए एक विशेष आभार उपहार भी दिया गया।

निकेलोडियन की यह पहल अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली सहित कई शहरों में हजारों बच्चों तक पहुंच रही है। 'टीचर्स ट्रॉफीज' का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच उस अनोखे रिश्ते को सलाम करना है, जो सम्मान, मस्ती और यादगार पलों पर आधारित होता है। इस टीचर्स डे, निकेलोडियन ने एक बार फिर याद दिलाया कि हीरो सिर्फ कहानियों में नहीं होते — वे हर क्लासरूम में मौजूद होते हैं, और कभी-कभी, उन्हें ताज पहनाने का मौका बच्चों को मिलना चाहिए।

शीतल कुशवाहा छत्तीसगढ़ की फर्स्ट रनर अप रही मॉडलिंग कैटेगरी इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो में

कानपुर, उत्तर प्रदेश – छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाली और वर्तमान में कानपुर (उत्तर प्रदेश) में रहने वाली शीतल ने अपने सपने को हकीकत में बदलते हुए इंडिया'स आइकोनिक टैलेंट शो में मॉडलिंग कैटेगरी की विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

बचपन से ही मॉडलिंग करने का सपना देखने वाली शीतल के लिए यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उनकी माँ अब इस दुनिया में नहीं हैं और पिता ने भी उनके मॉडलिंग के फैसले में समर्थन नहीं किया। इसके बावजूद, शीतल ने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत व आत्मविश्वास के बल पर सबका दिल जीत लिया।

श्री अजीत श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में, शीतल फाइनलिस्ट बनीं और 16 अगस्त को लखनऊ में आयोजित ग्रैंड फिनाले में अपनी शानदार प्रस्तुति से विजेता घोषित हुईं।

बहुत जल्द नाइस फिल्म प्रोडक्शन की न्यू म्यूजिक वीडियो में लांच होगी

जिसे बड़े प्लेटफार्म पर लॉन्च करेगी नाइस फिल्म प्रोडक्शन

शीतल ने कहा, यह मंच मेरे लिए सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि मेरे सपने को साकार करने की पहली सीढ़ी है। मैंने हमेशा चाहा कि लोग मुझे मेरी मेहनत और प्रतिभा से पहचानें। मैं नाइस फिल्म प्रोडक्शन और नाइस फिल्म प्रोडक्शन फाउंडर एंड डायरेक्टर अजीत श्रीवास्तव

विधायक जी के प्रयास से पशुपालकों को राहत

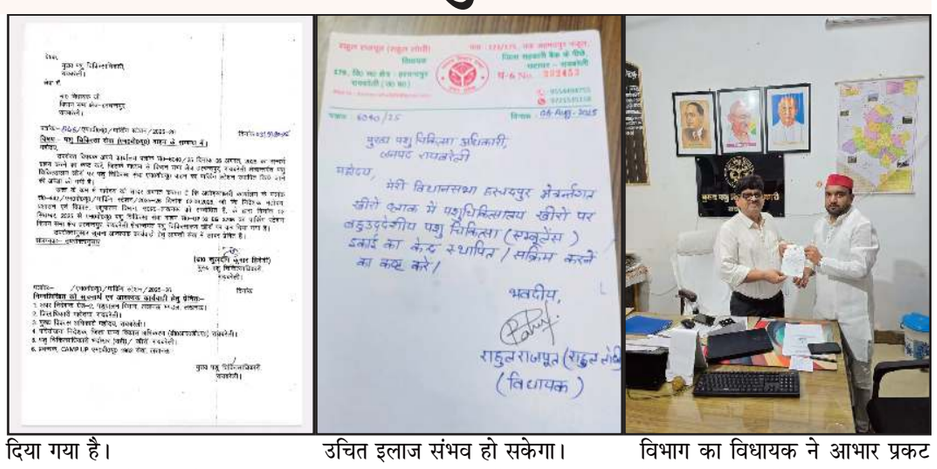

खीरों, रायबरेली। पिछले कई वर्षों से विधानसभा हरचंदपुर में यदि कोई पशु बीमार या चोटिल होता था तो उसके इलाज के लिए कोई एम्बुलेंस सुविधा नहीं थी, जिस समस्या को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने विधायक राहुल लोधी से शिकायत की थी। विधानसभा के लोगों और पशु पालकों द्वारा इस बात का संज्ञान विधायक राहुल लोधी को कराने पर पिछले दिनों मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से विधायक ने जाकर मुलाकात की। मिलकर खीरों ब्लॉक में एम्बुलेंस चलवाने हेतु ज्ञापन दिया था,उक्त पत्र को संज्ञान में लेते हुए पशुपालन विभाग द्वारा पशु चिकित्सा वाहन(UP 32 EG 3705) ,खीरों ब्लॉक के चिकित्सालय को दे दिया गया है।

अब सभी खीरों क्षेत्र के पशुपालकों को इससे बहुत बड़ी राहत मिलेगी। तथा पशुओं का समय से उचित इलाज संभव हो सकेगा।

आप सभी क्षेत्रवासियों को बहुत बहुत बधाई एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी रायबरेली सहित पशु पालन विभाग का विधायक ने आभार प्रकट किया। वह कहा कि इससे पशुपालकों को एक बेहतर सुविधा मुहैया होगी।

कैबिनेट मंत्री ने शोकाकुल परिवार को दिलाया निष्पक्ष जांच का भरोसा

(जीएनएस)।

धाता। थाना क्षेत्र के अजरौली हत्याकांड को लेकर गांव पहुंचे कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया।

कैबिनेट मंत्री बुधवार शाम को घर पहुंचे। उनके साथ कार्यकर्ता भी साथ रहे। उन्होंने पीड़ित परिवार विजय सिंह से मुलाकात घटना के बारे में जानकारी ली। परिवार ने तहरीर बदलवा देने का एक पुलिस अधिकारी पर आरोप लगाते हुए हटाने की मांग की है। मंत्री ने डीजीपी और एडीजी प्रयागराज से निष्पक्ष जांच कराने का परिवार को आश्वसन दिया। उन्होंने परिवार को आवास दिलाने के लिए एसडीएम को तथा धाता थानाध्यक्ष को मजिस्ट्रेट के सामने बयान करवाने की बात कही। इसके बाद बीरभवन और रामलखन सिंह के दरवाजे जाकर हालचाल लिया और न्याय का भरोसा दिलायान। इस मौके पर बिन्दकी विधायक जय कुमार जैकी, विधायक आरके पटेल, विधायक जीत लाल पटेल, पूर्व सांसद नागेन्द्र पटेल, जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल, जिला अध्यक्ष महिला मंच कान्ति कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष चित्रकूट राम सिया पटेल, राष्ट्रीय सचिव खागा प्रभारी जवाहरलाल पटेल, प्रदेश सचिव अजीत चांसलर, खागा विधना सभा अध्यक्ष रावेन्द्र प्रताप सिंह, मनोज सिंह, रूद्र सिंह, चंदन सिंह, सूरज सिंह, उपेन्द्र सिंह, दुर्ग विजय सिंह, रमेश सिंह, प्रेम सिंह, देवेन्द्र सिंह, अरविन्द सिंह, आशु सिंह सैकड़ों कार्यकर्ता सहित धाता नगर पंचायत के सभासद मौजूद रहे।

कन्नौज में सपा के जिला कोषाध्यक्ष रह चुके नेता गद्दा ओढ़कर छज्जे पर लेटा मिला, फिल्मी अंदाज में यूं दबोचा गया

(जीएनएस)।

कन्नौज में सपा के जिला कोषाध्यक्ष रह चुके और अखिलेश यादव के करीबी माने जाने वाले नेता कैश खां को पुलिस ने बेहद फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार किया। गुंडा एक्ट में जिला बदर किए गए कैश खां पुलिस से बचने के लिए छज्जे पर चढ़े कर गद्दे के नीचे छिप गए थे। पुलिस पूरे घर की तलाशी के बाद लौटने ही वाली थी कि एक पुलिसकर्मी की नजर गद्दे पर पड़ी।

शक होने पर उसने कुर्सी पर चढ़कर गद्दा हटाया, तो सब हैरान रह गए। गद्दे के नीचे अखिलेश के करीबी कैश खां छिपे हुए मिले। पुलिस ने उन्हें पकड़कर गिरफ्तार कर लिया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या है पूरा मामला?

कन्नौज के सदर कोतवाली क्षेत्र के वालापीर मोहल्ले के रहने वाले सपा नेता कैश खां पर 7 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। 28 जुलाई को डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें 6 महीने के लिए जिला बदर कर दिया था। बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि वह अपने ही मोहल्ले में चचेरे भाई के घर छिपे हैं। पुलिस टीम ने छापा मारा और पूरे घर की तलाशी ली, लेकिन कैश खां का सुराग नहीं मिला। पुलिस वापस लौट रही थी तभी एक सिपाही को टांड़ पर रखा गद्दा संदिग्ध लगा। जैसे ही गद्दा हटाया गया, उसमें से कैश खां ओढ़े लेटे हुए मिले।

अखिलेश यादव के करीबी हैं कैश खां

कैश खां का सपा नेतृत्व से गहरा जुड़ाव माना जाता है। 25 जुलाई को खुद अखिलेश यादव उनके घर पहुंचे थे और परिवार से मुलाकात की थी। इसके अलावा डिंपल यादव के साथ भी उनकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। यही वजह है कि उनकी गिरफ्तारी पर सियासी हलचल तेज हो गई है। एसपी विनोद कुमार के मुताबिक, कैश खां पर कई गंभीर आरोप हैं और वह जिला बदर आदेश का उल्लंघन कर मोहल्ले में ही छिपे हुए थे।

फरह पुलिस ने अवैध हथियार समेत एक बदमाश पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना फरह क्षेत्र स्थित परखम-गढ़ी पचौरी मार्ग से पुलिस ने अवैध हथियार समेत एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी फरह त्रिलोकी सिंह पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि एक बदमाश अवैध हथियार लेकर परखम-गढ़ी पचौरी मार्ग पर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी त्रिलोकी सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे बदमाश सतीश पुत्र मंसूराम निवासी गांव परखम थाना फरह को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के पास से एक तमंचा और कारतूस किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज

महिलाएं करेंगी आज बिहार बंद की अगुवाई

(जीएनएस)।

बिहार में आज (4 सितंबर) पूरे राज्य में 'बिहार बंद' और 'चक्का जाम' का ऐलान किया गया है। यह बंद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) की अगुवाई वाली भाजपा ने बुलाया है और खास बात यह है कि इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई इखढ महिला मोर्चा यानी पार्टी की महिला शाखा करेंगी। ठऊअ ने इस बार बिहार बंद की अगुवाई की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में सौंप दी है।

भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल के मुताबिक, बंद सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक यानी 5 घंटे चलेगा। लेकिन सवाल यह उठता है-महिलाएं क्यों अगुवाई करेंगी? और यह बंद क्यों बुलाया गया है?

● बिहार बंद क्यों बुलाया गया?

बिहार बंद का कारण है, कांग्रेस और फखऊ के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माता के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होना। यह घटना पिछले हफ्ते दरभंगा में आयोजित वोट अधिकार यात्रा के दौरान हुई थी। जिसकी अगुवाई लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और फखऊ नेता तेजस्वी यादव कर रहे थे।

वायरल हुए वीडियो में देखा गया कि कांग्रेस कार्यकताओं ने ढट मोदी और उनकी मां के खिलाफ अभद्र शब्द कहे, जिससे ठऊअ नेताओं में गुस्सा भड़क गया।

जदयू नेता उमेश कुशवाहा ने कहा, "विपक्ष के रैली में प्रधानमंत्री और उनकी माताओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग हुआ। यह न सिर्फ गलत है, बल्कि नैतिक और राजनीतिक रूप से भी अस्वीकार्य है।" उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण-शहरी आजीविका जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता देंगी।

सशक्त महिला नेतृत्व का संदेशः सड़क पर महिलाओं की उपस्थिति यह दिखाती है कि राजनीति

महागठबंधन के नेताओं ने अभी तक माफी नहीं मांगी, और इससे उनकी घमंड और असंवेदनशीलता दिखती है।

●महिलाएं क्यों करेंगी विरोध की अगुवाई? 3 स्टेप में समझिए

BJP ने इस बार महिलाओं को नेतृत्व का जिम्मा दिया है, और इसके पीछे कई कारण हैं

संरक्षण और सम्मान का संदेशः विपक्ष द्वारा महिलाओं और माताओं के खिलाफ अभद्र भाषा इस्तेमाल की गई, इसलिए महिला मोर्चा इसे प्रतीकात्मक रूप में विरोध के लिए उठा रही है।

सामाजिक मुद्दों पर ध्यानः बंद और चक्का जाम के दौरान महिलाएं महंगाई, सुरक्षा, सामाजिक न्याय और

में महिलाएं अब सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभा रही हैं।

● बिहार बंद के दौरान क्या-क्या खुलेगा और बंद रहेगा?

◆ खुला रहेगा

आपातकालीन सेवाएं (अस्पताल, एम्बुलेंस), रेलवे संचालन

◆ बंद रहेगा / बाधित होगा

स्कूल और कॉलेज, सरकारी और निजी कार्यालय, सड़क परिवहन और बस-ट्रक सेवा, सड़क पर महिलाओं की अगुवाई में चक्का जाम भी लगेगा, जो राज्य के प्रमुख शहरों और हाइवे पर होगा।

●पीएम मोदी का विपक्ष पर तगड़ा हमलाः 'नामदार' नेताओं को समझ नहीं आए गरीबों के दर्द

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (02 सितंबर) को जवाब देते हुए सीधे नाम लिए बिना कांग्रेस नेता राहुल गांधी और फखऊ के तेजस्वी यादव पर अप्रत्यक्ष हमला किया।

पीएम मोदी ने उन्हें "नामदार" कहा, यानी ऐसे लोग जो चांदी के चम्मच के साथ जन्मे हैं और आम गरीब लोगों की परेशानियों को समझ ही नहीं सकते। उनका कहना था कि इन "नामदार" लोगों के लिए सत्ता और शक्ति उनकी पारिवारिक विरासत जैसी है।

मोदी ने कहा, "एक गरीब मां की तपस्या, उसके बच्चे का दर्द - ये युवा राजकुमार जन्मजात राजघरानों में पैदा हुए हैं, इन्हें यह समझ नहीं आता। ये नामदार' लोग चांदी के चम्मच के साथ जन्मे हैं। देश और बिहार की सत्ता उनके परिवार की विरासत जैसी लगती है।"

पीएम मोदी के इस बयान से साफ संकेत मिला कि वह विपक्ष पर तीखा हमला कर रहे हैं, खासकर उन नेताओं पर जो राजनीतिक वंशवाद के नाम पर सत्ता में हैं।

राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखें तो, ठऊअ द्वारा बिहार में 4 सितंबर को बंद और चक्का जाम बुलाने का फैसला इस संघर्ष को और बढ़ा रहा है। यह कदम शासक गठबंधन और विपक्षी कठऊक्अ ब्लॉक के बीच चुनावी टकराव को और तेज करने का संकेत है।